आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
बुधवार 10.12.2025
समय 1305

**मुख्य समाचार :–**

- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा– वन्य जीव हमलों को लेकर प्रदेश सरकार संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है।
- अर्धकुंभ मेला–2027 की तैयारियों के दृष्टिगत मेलाधिकारी सोनिका के नेतृत्व में संबंधित अधिकारियों की संयुक्त टीम ने पुल जटवाड़ा से पुराने नीति पास मार्ग तक निरीक्षण किया।
- हरिद्वार को स्वच्छता के क्षेत्र में मॉडल जिला बनाने के लिए प्रशासन की ओर से लगातार स्वच्छता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं।
- पर्वतीय क्षेत्रों में बागवानी विकास पर अल्मोड़ा में किसानों को दिया जा रहा प्रशिक्षण।

**मानव–वन्य जीव**

प्रदेश में लगातार बढ़ रहे वन्य जीव हमलों को लेकर प्रदेश सरकार संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि लोगों के जानमाल की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि वन मंत्री और वे स्वयं अधिकारियों के साथ निरंतर बैठकें कर रहे हैं और प्रभावित इलाकों में टीमों को तुरंत भेजा जा रहा है। उन्होंने कहा कि वन विभाग के सभी अधिकारी और कर्मचारी अलर्ट मोड पर काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जो लोग वन्यजीव हमलों में घायल हुए हैं, उनके उपचार का पूरा खर्च सरकार वहन कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार पीड़ित परिवारों के साथ मजबूती से खड़ी है।

**मुख्य वन संरक्षक**

मुख्य वन संरक्षक, गढ़वाल, डॉ. धीरज पांडेय ने कहा कि मानव वन्यजीव संघर्ष को रोकने लिए विभाग सतर्क है। उन्होंने कहा कि गुलदार की गतिविधियों की जानकारी देने और उसे चिह्नित करने के लिए वन विभाग अब स्थानीय स्वयंसेवकों को भी अपनी टीम में शामिल करेगा। पौड़ी गढ़वाल के कंडोलिया में डॉ. धीरज पांडेय ने पत्रकारों से बातचीत में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गुलदार प्रभावित क्षेत्रों में एनाइड, ड्रोन और कैमरा ट्रैप से भी गुलदार की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। उन्होंने बताया कि गांव–गांव में जाकर स्कूली बच्चों के साथ ही ग्रामीणों को लगातार जागरूक किया जा रहा है। मुख्य वन संरक्षक ने कहा कि मानव वन्यजीव की घटना होने पर तत्काल टीम को मौके पर पहुंचना होगा। इसकी लगातार निगरानी की जाएगी। इसमें लापरवाही सामने आने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने ग्रामीणों से भी वन विभाग को सहयोग करने की अपील की।

## मेलाधिकारी निरीक्षण

अर्धकुंभ मेला–2027 की तैयारियों को गति देने के उद्देश्य से मेलाधिकारी सोनिका के नेतृत्व में संबंधित अधिकारियों की संयुक्त टीम ने पुल जटवाड़ा से पुराने नीति पास मार्ग तक निरीक्षण किया। टीम ने मार्ग के दोनों ओर यातायात, सौंदर्यीकरण, पार्किंग और श्रद्धालु सुविधाओं की समीक्षा की और आवश्यक दिशा–निर्देश जारी किए। टीम ने प्रमुख चौराहों पर सौंदर्यीकरण कार्यों के साथ ही यातायात के अनुरूप जियोमैट्रिक सुधार किए जाने के लोक निर्माण विभाग को निर्देश दिए। इन सुधारों से कुंभ अवधि में बढ़ने वाले वाहनों के दबाव को सुचारू रूप से प्रबंधित किया जा सकेगा। निरीक्षण टीम ने बस अड्डा और रेलवे स्टेशन के सामने लगी रेहड़ियों को व्यवस्थित स्थान देने और वहां सफेद पट्टी चिन्हांकन कर सुचारू यातायात सुनिश्चित करने के लिए नगर आयुक्त को निर्देशित किया। इससे श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों की आवाजाही और सहज होगी। हरिद्वार के जीरो जोन में स्थित गलियों को स्वच्छ, आकर्षक और यातायात–अनुकूल बनाने के लिए विशेष सौंदर्यीकरण कार्य तुरंत शुरू करने के भी निर्देश दिए गए। यह क्षेत्र कुंभ मेला के दौरान मुख्य केंद्र के रूप में कार्य करता है।

## बैठक

चमोली के जिलाधिकारी गौरव कुमार ने जिलाधिकारी कार्यालय में कृषि और उद्यान विभाग की योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को जिले में उत्पादन बढ़ाने, किसानों की आय में वृद्धि करने और वर्तमान चुनौतियों का समाधान सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने मुख्य कृषि अधिकारी को जंगली जानवरों– विशेषकर बंदर, लंगूर और जंगली सूअरों से फसल को होने वाले नुकसान को बचाने के लिए ठोस सुरक्षा उपाय अपनाने और चैन लिंक फैंसिंग बढ़ाने के निर्देश भी दिए।

## हरिद्वार स्वच्छता

हरिद्वार को स्वच्छता के क्षेत्र में मॉडल जिला बनाने के लिए प्रशासन की ओर से लगातार स्वच्छता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने जिले भर में स्वच्छता के क्षेत्र में काम करने वाली गैर सरकारी संगठन और अन्य सामाजिक संस्थाओं के साथ बैठक कर उनके सुझाव मांगे और सभी संस्थाओं से अलग–अलग क्षेत्रों में स्वच्छता में भागीदारी करने की अपील की। जिलाधिकारी ने कहा कि हरिद्वार को स्वच्छता के क्षेत्र में अग्रणी जिला बनाने के उद्देश्य से सभी वर्गों का सहयोग लिया जा रहा है।

## कृषक प्रशिक्षण

अल्मोड़ा जिले के उद्यान निदेशालय चौबटिया, रानीखेत स्थित औद्यानिक प्रशिक्षण एवं परीक्षण केंद्र में तीन दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया है। पर्वतीय क्षेत्रों में बागवानी विकास पर आयोजित प्रशिक्षण में अल्मोड़ा, नैनीताल, चम्पावत, बागेश्वर और पिथौरागढ़ के 20 किसान भाग ले रहे हैं। इस अवसर पर विशेषज्ञ, किसानों को पर्वतीय क्षेत्रों में बागवानी के विकास पर जानकारी दे रहे हैं। इसके अलावा किसानों को औद्यानिक फसलों में लगने वाले कीट, पर्वतीय क्षेत्र में कीवी उत्पादन, मौन पालन, फलों की नर्सरी और मशरूम उत्पादन सहित कई अन्य जानकारी दी जाएगी। प्रशिक्षण का शुभारंभ रानीखेत के विधायक डॉ. प्रमोद नैनवाल ने किया। उन्होंने कहा कि किसानों की आय को बढ़ाने और उन्हें स्वावलंबी बनाने के उद्देश्य से प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है। उद्यान के सहायक निदेशक डॉ. सुनील कुमार गुप्ता ने कहा कि काश्तकारों को जागरूक करने और सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी देने के उद्देश्य से यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया है।

## माटी कला प्रशिक्षण

हरिद्वार जिले के माटी कला प्रशिक्षण केंद्र, रुड़की में विकास आयुक्त हस्तशिल्प और जिला उद्योग केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में माटी कला शिल्प प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हो गया है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्थानीय कारीगरों को माटी कला से जुड़ी नई तकनीकों, डिजाइन और कौशल से अवगत कराना व रोजगार के अवसर बढ़ाना है। इस अवसर पर राज्य मंत्री शोभाराम प्रजापति ने कहा कि माटी कला, उत्तर भारत की सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम स्थानीय युवाओं और कारीगरों को स्वरोजगार की दिशा में मजबूत बनाते हैं। जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक उत्तम कुमार तिवारी ने बताया कि एक महीने तक चलने वाला यह प्रशिक्षण कार्यक्रम न सिर्फ पारंपरिक शिल्प को नई ऊर्जा देगा, बल्कि आधुनिक बाजार की मांग के अनुरूप कारीगरों को तैयार करेगा।